काशी के जीआइ उत्पाद देखेंगे चार राज्यों के सीएम

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में कई केंद्रीय व प्रदेश स्तर के मंत्री लेंगे भाग

जागरण संवाददाता, वाराणसी : मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक पहली बार 24 जून को वाराणसी में होने जा रही है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मप्र के सीएम मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय के साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। ताज होटल में इस महत्वपूर्ण बैठक के साथ काशी के जीआइ टैग युक्त हस्तशिल्प उत्पादों की भी प्रदर्शनी लगेगी। इसमें काशी के 10 विशिष्ट जीआइ टैग वाले उत्पाद प्रदर्शित होंगे। इसमें आपरेशन सिंदूर से प्रेरित गुलाबी मीनाकारी से सजा ब्रह्मोस का माडल भी देखा जा सकेगा।

बैठक में कई केंद्रीय व प्रदेश स्तर के मंत्री भाग लेंगे। पूरे डेलीगेट्स की संख्या 100 है। इसमें उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री और वाराणसी के प्रभारी सुरेश कुमार खन्ना होंगे। इसके अलावा चारों राज्यों के उप मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, नीति आयोग के सदस्य, अंतरराज्यीय परिषद के प्रतिनिधि, यूआइडीएआइ के डिप्टी डायरेक्टर जनरल मनोज भारद्वाज, यूनियन होम सेक्रेटरी गोविंद मोहन, ऊर्जा मंत्रालय के पवन तायल, महिला एवं बाल विकास विभाग की ज्वाइंट सेक्रेटरी पल्लवी अग्रवाल, भारत सरकार के चीफ प्लानर भाग लेंगे। इसके अलावा राज्यों के अपर मुख्य सचिव, सीएम के सचिव, कई विभागों के सचिव, एडिशनल सेक्रेटरी, ज्वाइंट सेक्रेटरी, आवासीय आयुक्त आदि भाग लेंगे।

प्रदर्शित होने वाले जीआइ उत्पाद

- बनारस ब्रोकेड एंड साड़ी
- बनारस जरदोजी
- बनारस गुलाबी मीनाकारी क्राफ्ट
- बनारस ग्लास बीड्स
- बनारस मेटल रिपोजी क्राफ्ट
- बनारस मेटल कास्टिंग क्राफ्ट
- वाराणसी वुडेन लेकर एंड टायज
- बनारस वुड कार्विंग
- वाराणसी साफ्ट स्टोन जाली वर्क
- बनारस हैंड ब्लाक प्रिंट

1956 में हुआ था क्षेत्रीय परिषद का गठन

देश में पांच क्षेत्रीय परिषद का गठन वर्ष 1956 में हुआ। इसी में से एक मध्य क्षेत्रीय परिषद में छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश शामिल हैं। इसी प्रकार उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में हरियाणा, हिमाचल, पंजाब, राजस्थान, राजधानी दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर और लद्दाख शामिल है। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद में बिहार, ओडिसा, पश्चिम बंगाल और झारखंड है। पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद में महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा दमन दीव, दादरा और नगर हवेली और दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना के साथ पांडिचेरी शामिल है।

32 जीआइ उत्पाद हैं पूर्वांचल में

- 20 लाख कारीगर जुड़े हैं इस कारोबार से
- 30 उत्पाद जीआइ टैग मिलने की प्रक्रिया में हैं यूपी के

25 हजार पांच सौ करोड़ सालाना कारोबार हो रहा है इसमें

77 जीआइ टैग उत्पाद के साथ यूपी देश में शीर्ष स्थान पर

सीएम योगी खुद जीआइ उत्पादों के ब्रांड अंबेसडर हैं। उन्होंने विलुप्त हो रही कला को जीवित कर दिया है। योगी सरकार ने इस महत्वपूर्ण बैठक में जीआइ टैग हैंडीक्राफ्ट के प्रदर्शन के लिए शिल्पकारों को मंच देकर हौसला बढ़ाया है। इससे काशी के हैंडीक्राफ्ट विशेष तौर पर जीआइ टैग वाले उत्पादों का प्रचार-प्रसार होगा।

-आदर्श मौर्य, स्टेट अवार्डी, वाराणसी साफ्ट स्टोन जाली वर्क।

4,000 पुलिसकर्मी करेंगे सुरक्षा

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक पुलिस के कड़े सुरक्षा प्रबंध में होगी। सुरक्षा ड्यूटी के लिए चार हजार पुलिसकर्मी बुलाए गए हैं, जो मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक से एक दिन पूर्व रिहर्सल करेंगे। सुरक्षाकर्मियों का नेतृत्व करने के लिए आठ आइपीएस, 13 अपर पुलिस अधीक्षक और 36 पुलिस क्षेत्राधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने रविवार देर रात फोर्स को सुरक्षा ड्यूटी से पूर्व ब्रीफ किया और परिचयपत्र के साथ निर्धारित समय ड्यूटी प्वाइंट पर पहुंचने के निर्देश दिए। कहा कि छतों पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएं और कार्यक्रम स्थल पर चेकिंग के बाद ही किसी को एंट्री मिलेगी। शस्त्र ले जाने की अनुमति किसी को नहीं होगी।

ये अफसर रहे मौजूद: अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरी मीना, अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश सिंह, डीसीपी गौरव बंसवाल, प्रमोद कुमार, आकाश पटेल, सरवणन टी के अलावा गैर जनपदों से आए पीएसी व अर्धसैनिक बलों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नर ने दिए निर्देश

- पूर्ण सतर्कता और वीवीआइपी के सुरक्षा प्रोटोकाल का कड़ाई से अनुपालन करें।
- वीवीआइपी मार्ग पर भी कराए चेकिंग व तलाशी के बाद ही कोई जा पाए।
- कार्यक्रम स्थल के आसपास के क्षेत्रों व वीवीआइपी मार्ग पर छतों पर सुरक्षा कर्मी तैनात करें।
- सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन कैमरों से सुरक्षा निगरानी करें।
- अधिकारी ड्यूटी प्वाइंट पर कोई कमी समझ आने पर वहीं सुरक्षाकर्मी को ब्रीफ करें।
- अधिकारी पर्याप्त रस्से रखें, जरूरत पर कार्यक्रम स्थल व मार्ग में भीड़ नियंत्रण किया जा सके।
- पुलिसकर्मी एंबुलेंस व इमरजेंसी वाहनों को पास कराने में प्राथमिकता दें और आमजनमानस की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए विनम्र व्यवहार करेंगे।